वार्तालाप नं.498, कलकत्ता-1, दिनांक 23.01.08
Disc.CD No.498, dated 23.01.08 at Calcutta-1

समयः 10.45-14.15

जिज्ञासुः- कर्मणा और मन्सा, वाचा, कर्मणा इसमें फर्क क्या हैं?

बाबा- एक ही तो बात हैं। कर्मणा माना कर्मेन्द्रियों से और मन्सा माना बाबा की याद में बैठकर के किसी को सर्चलाईट देना। वायब्रेशन देना।

जिज्ञासु –दूसरा बात है(चार्ट की), सर्विस कितनों का किया और शक्तियों का आवाहन किया कि नहीं?

बाबा - कितनी आत्माओं को संदेश दिया या कितनी आत्माओं को कोर्स दिया या कितनी आत्माओं को वायब्रेशन दिया ये मतलब।

जिज्ञासु – शक्तियों का आवाहन किया?

बाबा – सवेरे-सवेरे उठ के बैठते हैं तो पक्का कर दें कि आज हम सारा दिन सहनशक्ति का आवाहन करेंगे। तो जो सोच के बैठेंगे वही परीक्षा सारा दिन आयेगी। आज हम सामना शक्ति का प्रयोग करेंगे तो सारा दिन सामना करने की बातें सामने आवेंगी। आज हम सहयोगी शक्ति को धारण करेंगे तो सहयोग देने में अच्छे कार्यों में क्या-क्या विघ्न आते हैं वो पता चल जायेगा। कितना सफल होते हैं, कितना असफल होते हैं वो भी पता चलेगा। और?

Time: 10.45-14.15

Student: What is the difference between actions (*karmana*) and thoughts, words and actions?

Baba: It is one and the same thing. *Karmana* means 'through the bodily organs' and *mansa* means giving searchlight, giving vibrations to someone while sitting in Baba's remembrance.

Student: Second thing (in a chart) is, 'How many persons did you serve and whether you invoked any power or not?'

Baba: It means, 'how many souls did you give the message or how many souls did you give the course or to how many souls did you give vibrations?

Student: Did you invoke the powers?

Baba: As soon as you wake up early in the morning and sit, you should make a resolution that today I will invoke the power of tolerance. So, whatever you think and sit, you will face a test on that very thing throughout the day. If you resolve that you will use the power to face situations, then you will face problems throughout the day. If you resolve that you will inculcate the power of cooperation, then you will come to know what various obstacles you have to face in good tasks. You will also come to know to what extent you succeed and to what extent you fail. Anything else?

जिज्ञासु – बाबा सारा दिन कितना व्यर्थ गंवाया कितना कमाया। तो 'व्यर्थ गंवाया कितना कमाया' ये बेहद में कैसे लागू होता है? व्यर्थ गंवाया माना।

बाबा – झुरमुई-झुरमुई बातों में समय व्यर्थ कर दिया। तो टाईम वेस्ट किया ना। टाईम गंवाय दिया।

जिज्ञासु – कमाया माना?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा – कमाया माना मनन-चिंतन कितना किया। दूसरों की सेवा की वो भी कमाई हो गई। चलो दूसरों की सेवा नहीं की अपनी सेवा कितनी की, वो भी कमाई है।

Student: Baba, how much did you waste and how much did you earn throughout the day? So, how does this apply in an unlimited sense? What is meant by wasting?
Baba: Wasting your time in wasteful things. So, you wasted your time, did you not? You wasted your time.
Student: What is meant by earning?
Baba: Earning means thinking and churning. The service that you render to others also counts under income. OK, you may not have served others, but whatever service you render to yourself is also an income.

जिज्ञासु - खर्चा किया, कितना खर्चा किया?

बाबा – धन का भी खर्चा है, संकल्पों का भी खर्चा है, समय का भी खर्चा है।

जिज्ञासु – और बाबा (चार्ट में पूछा है) कौनसे स्वरूप में स्थित हुआ? स्वरूप माना आत्मिक स्वरूप।

बाबा – तो सारे दिन देखना हैं कि हम अव्यक्त स्टेज में ज्यादा रहे, बिंदु की याद में ज्यादा रहे, निराकारी स्टेज ज्यादा रही या मनन-चिंतन मंथन में ज्यादा रहे, आकारी स्टेज में रहे या साकार रूप में वाचा से दूसरी आत्माओं को समझाने में ज्यादा लगा रहे।

Student: If you have spent, how much did you spend?
Baba: There is an expenditure of wealth as well as thoughts and there is an expenditure of time as well.
Student: And Baba, (it has been asked in the chart), 'in which form did you become constant?' Form means spiritual form.
Baba: So, you have to check throughout the day whether you remained more in the *avyakt* stage, more in the remembrance of the point, whether you remained more in an incorporeal stage or in a stage of thinking and churning, in a subtle stage or did you spend more time in explaining to other souls through words?

जिज्ञासु - स्वप्न किस प्रकार आया ? तो लास्ट नाइट में स्वप्न आता है, उसका मनन-चिंतन करना?

बाबा – स्वप्न को मनन-चिंतन नहीं कहा जाता। स्वप्न को कहा जाता है रात को सो जाते हैं फिर सूक्ष्म शरीर इधर-उधर भ्रमण करता हैं। कभी सुख भोगता है, कभी दुख भोगता है। जो दुखमयी स्वप्न होते हैं उनको तामसी स्वप्न कहेंगे। किस स्वरूप में स्वप्न आया? वो लिखना हैं।

जिज्ञासु – बाबा पूरा तो याद नहीं होता। स्वप्न पूरा तो आता है, पूरा तो याद नहीं होता। रिकलेक्शन नहीं होता पूरा का पूरा। कभी-कभी ऐसा होता हैं स्वप्न देखते हैं तो नींद टूट जाती हैं। पूरा याद नहीं होता जितना याद हैं उतना लिख सकते हैं?

बाबा – जितना याद है उतना लिख लो।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: 'What kind of dreams did you have?' Should we think about the dreams that we had the previous night?
Baba: Dreams does not mean thinking. Dreams means, when we sleep in the night, our subtle body roams here and there. Sometimes it enjoys happiness and sometimes it suffers pains. The sorrowful dreams are degraded dreams. We must write as to what form of dreams we had.
Student: Baba, we do not remember completely. We see the complete dream, but we do not remember it completely. We do not recollect it completely. Sometimes it happens that we wake up while we are dreaming. We do not remember completely; so can we write as much as we remember?
Baba: Write as much as you remember.

समयः 14.20-15.32

जिज्ञासुः- अक्सर दिखाया गया ह वहाँ अपन घरों में लक्ष्मी-नारायण का मूर्ति रखत हैं, लकिन शंकर का मूर्ति और शिव का मूर्ति गाँव क बाहर रखत हैं। ऐसा क्यों?
बाबा – लक्ष्मी–नारायण मंदिर प्रवृत्तिमार्ग की यादगार हैं। प्रवृत्तिमार्ग जो ह वो जंगल में नहीं चलता ह। प्रवृत्तिमार्ग कहाँ चलगा? संगठन में चलगा, समूह में चलगा और शंकर। उसका नाम तो मुसलमानों न रख दिया हैं खुदा। खुदा माना कोई भी उसका साथ न द तो भी रविंद्रनाथ क्या कहत थ? टगौर का नारा क्या था? कोई तग साथ न द तो तू अकला चलो र। उन्होंन य कहाँ स उठाया? य नारा रविंद्रनाथ न कहाँ स उठाया? संगमयुग की यादगार ह। बाबा न जो बोला ह सारी दुनिया क तरफ और एक आत्मा दूसरी तरफ। आदि में भी ऐसा हुआ और अंत में भी ऐसा होता हैं।

Time: 14.20-15.32
Student: It has often been shown that people keep the idols of Lakshmi Narayan in their houses. But the idols of Shankar and Shiv are placed outside the village. Why is it so?
Baba: The temple of Lakshmi Narayan is a memorial of the path of household. A household is not maintained in a jungle. Where will a household be maintained? It will be maintained in a gathering, in a group. And what about Shankar? He has been named by the Muslims as *Khuda*. *Khuda* means, 'even if nobody gives him company; what did Ravindranath used to say'? What was Tagore's slogan? Even if nobody gives you company, walk alone. Where did he pick up this line? Where did Ravindranath pick up this slogan from? It is a memorial of the Confluence Age. Baba has said that the entire world will be on one side and one soul will be on the other side. It happened like this in the beginning and it happens like this in the end as well.

समयः 16.05-19.12

जिज्ञासुः- बाबा आज नताजी का जन्म दिवस ह और सारी दुनिया में नताजी का जो मृत्यु रहस्य, उसको लकर क तोड़-फोड़ हो रहा ह और पंद्रह अगस्त को हम लोग स्वाधीनता दिवस क रूप में मनात हैं कि भारत स्वाधीन हुआ। ब्रिटिश लोंगों न भारत को स्वाधीनता द दिया लकिन जो स्वाधीनता जिस शर्त में दिया कि नताजी को युद्धविरोधी घोषणा कर क ब्रिटिश

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

लोगों न□भारत को स्वाधीनता दिया और गांधीजी न□ नहरू न□उसको सत्य मान लिया। तो इसको स्वाधीनता कहेंग□

Time: 16.05-19.12

Student: Baba, today is Netaji's birthday and there is a controversy in the entire world surrounding the conspiracy of Netaji's death and we celebrate 15th August as Independence Day when India became independent. Britishers granted freedom to India, but the condition on which they gave us freedom; they declared Netaji as a war criminal and granted freedom to India and Gandhiji, Nehruji accepted it to as the truth. So, will this be called (true) freedom?

बाबा – बाबा न□बोला गत वत टू हविन इज़ महाभारत। महाभारी-महाभारत युद्ध स्वर्ग क□ गत खोलगा और महाभारी-महाभारत युद्ध सत्य और असत्य का युद्ध ह□ सत्य क□ लिए अर्थात धर्म क□ लिए जान भी दनी पड़□तो दना ह□ इसमें कोई भी समझौता नहीं किया जा सकता। जो सत्य की बात में समझौता कर लत□हैं -अच्छा आधा हम य□मान लत□ह□ आधा तुम य□ मान लो तो वो सत्य, सत्य नहीं रहता। इसलिए गांधीजी का जो समझौता था वो बटवाँर□का था। क्या? पाकिस्तान अलग, हिंदुस्तान अलग। य□एक बाप की संतान हुए?

जिज्ञासु - नहीं।

बाबा - फिर।

Baba: Baba has said that the gateway to heaven is *Mahabharata. Mahabhari Mahabharata* war will open the gateway to heaven and *Mahabhari Mahabharata* war is a war between truth and falsehood. We have to sacrifice our lives for the sake of truth or for the sake of religion. There cannot be any compromise in this. Those who compromise on the issue of truth (saying) OK, we accept half of it and you accept half of it; so that does not remain the truth. This is why the compromise adopted by Gandhiji was about partition (of India). What? Pakistan should be separate and Hindustan should be separate. Are they children of one Father?

Student: No.

Baba: Then?

जिज्ञासु – लकिन नहरू जी तो मान लिया था।

बाबा – क्या?

जिज्ञासु - नत□ाजी को युद्धविरोधी घोषणा किया ब्रिटिश लोगो न□ नत□ाजी अगर जीवित भी रह□ तो ब्रिटिश क□ हाथों में इसको सरण्डर करना पड़गा।

बाबा – इन बातों स□कुछ निकलता नहीं। अब उनकी उम्र क्या होनी चाहिए नत□ाजी की?

जिज्ञासु – एक सौ ग्यारह।

बाबा – इतनी उम्र में आदमी जिंदा रहता हैं हिंदुस्तानी।

जिज्ञासु – वो तो शिवबाबा को पता होगा।

बाबा – शिवबाबा को पता होगा ! अर□ भारतवासी इतनी उम्र तक जिंदा रहत□हैं?

जिज्ञासु रह भी सकत□हैं ।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा - भारतवासी?

जिज्ञासु – सभी नहीं बाबा ऐस□हो सकता ह□लाखों में कोई एक जिंदा रहत□हैं।

बाबा – हाँ, तो वही आत्मायें जिंदा रहती ह□ जो अभी लास्ट में उतर रही हैं दवी-दवता सनातन धर्म की।

Student: But, Nehruji had accepted.
Baba: What?
Student: Britishers declared Netaji to be a war criminal. Even if Netaji is found to be alive, he will have to be surrendered to the Britishers.
Baba: Nothing can emerge from these issues. What should be Netaji's age now?
Student: One hundred and eleven.
Baba: Does a (average) Indian live so long?
Student: Shivbaba must be aware of that.
Baba: Shivbaba must be aware of that? Arey, do Indians live so long?
Student: They may.
Baba: Indians?
Student: Not all. Baba it is possible that someone out of hundred thousand survives.
Baba: Yes, only the souls belonging to the deity religion live (that long); they are now descending in the last period.

जिज्ञासु – तो नवाजी अभी मर गया?

बाबा – तुम्हारी भावना अगर नवाजी में बठी ह□ गांधीजी में बठी ह□तो हम उस भावना को क्यों उतारेंग?

जिज्ञासु – सारी दुनिया में इस बात को लकर क□ बहुत कुछ होता हैं।

बाबा – सारी दुनिया में तो पता नहीं क्या–क्या होता हैं? साईन्स को लकर क□ सारी दुनिया पीछ□पीछ□ भाग रही ह□ तो हम भी पीछ□पीछ□ भागें क्या?

जिज्ञासु – बाबा जब बोलगा तो हम ... में जायेंग?

बाबा – शिवबाबा क्यों बोलगा साईन्स क□ पक्ष में। जबकि जानता हैं साईन्स विनाशकारी ह□

Student: So, has Netaji died?
Baba: If you have such strong feelings for Netaji, for Gandhiji, why will I break those feelings?
Student: There are many discussions taking place in the world on this issue.
Baba: So many things keep happening in the world. The entire world is running after science. So, should we also run behind them?
Student: When Baba says……..
Baba: Why will Shivbaba speak in favour of science when He knows that science is destructive?

समयः 19.20-21.48

जिज्ञासुः- बाबा जो एड़वान्स ज्ञान निकला ह□मनन-चिंतन-मंथन क□ आधार पर।

बाबा - मनन-चिंतन क□ आधार पर एड़वान्स ज्ञान निकलता ह? मनन-चिंतन मनुष्य करता ह□ या भगवान करता ह?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु – मनुष्य करता है।

बाबा – मनुष्य जो करता है वो आधार कहें?

जिज्ञासु – एड़वान्स ज्ञान तो मनन-चिंतन-मंथन का आधार पर तो चल रहा है न ?

बाबा – मनन-चिंतन जो है वो मनुष्य करता है, भगवान को मनन-चिंतन-मंथन करने की दरकार नहीं। लेकिन भगवान ने जो महावाक्य बोले हैं ब्रह्मा का तन से। जो महावाक्य बोले हैं वो शिव ने बोले हैं। कोई मनुष्य आत्मा ने नहीं बोले हैं। लेकिन शिव का जो भी महावाक्य हैं ब्रह्मा का मुख से, उनके ऊपर बुद्धि चले, मन चले, मनन-चिंतन-मंथन चले।

जिज्ञासु – वो तो राम बाप करते हैं।

बाबा – हाँ जी।

Time: 19.20-21.48

Student: Baba, the advance knowledge that has emerged on the basis of thinking and churning.

Baba: Does the advance knowledge emerge on the basis of thinking and churning? Do human beings think and churn or does God think and churn?

Student: Human being thinks and churns.

Baba: Should the action performed by the human being be called as the basis?

Student: Advance knowledge exists on the basis of thinking and churning, isn't it?

Baba: It is the human being who thinks. God does not need to think and churn. But the great sentences (*Mahavakya*) that God has spoken through the body of Brahma, the great sentences that have been spoken are of Shiv. They have not been spoken by a human soul. But you should use your intellect, use your mind, think and churn about the great sentences of Shiv (narrated) through the mouth of Brahma.

Student: That is done by the father Ram.

Baba: Yes.

जिज्ञासु – मनन-चिंतन का जो है. राम बाप तो मंथन करते हैं। जो कुछ करते हैं राम बाप वो सब....

बाबा – जो कुछ करते हैं सो थोड़े ही।

जिज्ञासु – नहीं-नहीं। सब राईट हो जाता है? क्या सुप्रीम सोल राय देते हैं - ये राईट है. ?

बाबा – राईट उतना ही होगा जितनी एक्युरेट याद होगी। अगर याद में रहकर के मनन-चिंतन-मंथन किया जायेगा, बीजरूपी स्टेज में रहकर के जो मनन-चिंतन किया जायेगा वो सच्चा होगा और देहअभिमान में रह के जितना किया जायेगा वो झूठा होगा, मनुष्यों से प्रभावित हो करके जो मंथन किया जायेगा वो झूठा होगा।

जिज्ञासु – ज्ञान अभी रिफॉईन-चेन्जिंग हो रहा है ना।

बाबा – चेन्ज भी अगर होगा तो मुरली के आधार पर चेन्ज होगा।

जिज्ञासु – लेकिन पहले तो पता नहीं था। ऐसे ऐसे हुआ बाद में अभी-2।

बाबा – हाँ वो तो मुरली के आधार पर ही माना जायेगा। चेन्ज जो है वो मुरली के आधार पर चेन्ज मानेंगे या मनमत के आधार पर कोई चेन्ज स्वीकार कर लेंगे?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु – मुरली क आधार पर।

बाबा – बस।

Student: As regards thinking and churning… the father Ram churns. Whatever father Ram does….
Baba: It is not as if whatever he does….
Student: No, no. Does everything become right? Does the Supreme Soul give an advice that this is right….?
Baba: It will be right only to the extent the remembrance is accurate. If the thinking and churning is done in remembrance, the thinking and churning which is done in a seed-form stage will be true and whatever is done in body consciousness will be false. Churning done under the influence of human beings will be false.
Student: Knowledge is now undergoing refining and changing, isn't it?
Baba: Even if it undergoes change, it will be on the basis of the Murlis.
Student: But earlier we did not know such and such things happened…. .
Baba: Yes, that will be considered only on the basis of Murlis. Will the changes be accepted as changes on the basis of Murlis or will the changes be accepted on the basis of the opinion of the self?
Student: On the basis of the Murlis.
Baba: That is all.

समयः 21.50-24.50

जिज्ञासुः- तो बाबा, वानप्रस्थ में आता हूँ, वानप्रस्थ में जाता हूँ। य बात जब था पहल तो वानप्रस्थ में आता हूँ तो इसका मतलब प्रजापिता का 60 वर्ष हुआ उसमें शिव भगवान आया था लकिन बाद में वानप्रस्थ में जाता हूँ तो 36 होगा या उसक पहल 76 होगा?

बाबा –36 होगा?

जिज्ञासु – वानप्रस्थ में जाता हूँ य शब्द का अर्थ पूछ रह हैं? जब वानप्रस्थ होगा तब जायेंग क्या?

बाबा – सिर्फ 60 साल ही उम्र वानप्रस्थ की नहीं मानी जाती। 60 साल स वानप्रस्थ अवस्था शुरू होती ह। आपन ऐस समझ लिया कि 60 साल की उम्र ही वानप्रस्थ अवस्था ह, 61 साल की (उम्र) वानप्रस्थ नहीं कहेंग। ऐस नहीं ह।

जिज्ञासु – तो जाता हूँ इसका मतलब क्या ह?

बाबा – मान चाह 61 हो, 65 हो, 70 हो उसको वानप्रस्थ ही कहेंग।

जिज्ञासु – उस अवस्था में।

बाबा - हाँ, वाणी स पर जब जायेंग तो वानप्रस्थ अवस्था होगी।

Time: 21.50-24.50
Student: So, Baba, (It is said in the Murlis that) I come in *vanprastha*[1] (stage) and I depart in *vanprastha*. As regards 'I come in *vanprastha*' it means Prajapita attained the age of 60

[1] age above 60 years; a stage beyond speech.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

years; God Shiv entered him, but later on 'I depart in *vanprastha*'; so is it in [the year] 36 or before that? Will it be in [the year] 76?
Baba: Will it be in [the year] 36?
Student: He is asking about the meaning of the phrase 'I depart in *vanprastha*'. Will He depart when He achieves *vanprastha*?
Baba: *Vanprastha* does not mean just the age of 60 years. *Vanprastha* stage begins from 60 years. You understood that the *vanprastha* stage pertains only to 60 years; will 61 years not be called *vanprastha*? It is not so.
Student: So, what is meant by 'I depart (in *vanprastha*)'?
Baba: It means that whether it is 61, 65, 70, it will be called *vanprastha* only.
Student: In that stage.
Baba: Yes, *vanprastha* stage means when he goes beyond speech.

जिज्ञासु – वाणी स□पर□तो बाबा 2018 में जायेंग□ 2018 में वाणी स□पर□चल□जायेंग□

बाबा – हाँ, जब ज्ञान पूरा हो जाय□ा, आत्मिक स्थिति जब पक्की हो जाय□ी तो ब्राह्मण सो। पक्का ब्राह्मण सो क्या बन जाता ह□? जब द□ता बन जाता ह□ द□ता स्वीकार कर लिया जाता ह□ नारायण का पार्ट संसार में प्रत्यक्ष हो जाता ह□ कृष्ण प्रत्यक्ष हो जाता ह□ प्रजापिता प्रत्यक्ष हो जाता ह□तो बात खत्म हो जाती ह□ फिर बोल-बोल करन□की दरकार ही क्या रह गई?

Student: Baba will go beyond speech in 2018. He will go beyond the stage of speech in 2018.
Baba: Yes, when the (process of giving) knowledge is completed, when the soul conscious stage becomes firm, then Brahmins will… what does a firm Brahmin become? When he becomes a deity, when he is accepted as a deity, when the part of Narayan is revealed in the world, when Krishna is revealed, when Prajapita is revealed, the topic ends. Then is there any need to speak?

जिज्ञासु – बाबा राम ही रावण बनता ह□ कृष्ण ही कंस बनता ह□ लास्ट में, 2036 क□ आसपास?

बाबा – हाँ, पाँच सौ करोड़ मनुष्य आत्माओं में सबस□जास्ती तमोप्रधान कौन बन□ा?

जिज्ञासु – लि□िन तब बाबा सत्यनारायण बन जात□हैं, द□ता बन जात□हैं तो क□स□रावण का पार्ट बजात□हैं?

बाबा – बाप बोलत□हैं- बाप विद□ी बनकर क□ आय□हैं। क्या बनकर क□ आय□हैं?

जिज्ञासु – विद□ी।

बाबा - ह□तो नहीं विद□ी?

जिज्ञासु – नहीं।

बाबा – तो पार्ट बजात□हैं, ऐसा दिखात□हैं।

जिज्ञासु – विनाश क□ लिए।

बाबा - नहीं तो इतनी जो सृष्टि ह□जिसमें एक स□एक तमोप्रधान आत्मायें भरी पड़ी हैं और उनका बहुत भारी हुजूम ह□उनका पराभौव कौन कर□ा? बच्च□तुम्हारा बाप आया हुआ ह□ तो

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

सिर्फ अच्छा अर्थों में ही बाप है या ब्लैक वर्ल्ड में भी बाप है? स्वर्ग की दुनिया मशीन है तो नर्क की दुनिया मशीन नहीं क्या? यह मुरली में क्यों बोला? बाप है तो वो आधिपत्य है, मालिक है।

Student: Baba, does Ram become *Ravan* (a villainous character in the epic Ramayana) and Krishna become *Kansa* (a villainous character in the epic Mahabharat) in the last, around 2036?
Baba: Yes, who will become the most degraded among the fifty billion human souls?
Student: But at that time Baba will become the true Narayan, he will become a deity, then how does he play the part of Ravan?
Baba: The Father says: The Father has come as a *videshi* (foreigner). In which form has He come?
Student: *Videshi*.
Baba: He isn't a *videshi*, is he?
Student: No.
Baba: So, He plays such a part; He presents himself in such a way.
Student: For the sake of destruction.
Baba: Otherwise, in such a world consisting of the most degraded souls….. and they are in large numbers ; who will end their dominance? Children, your **Father** has come. So, is He a Father only in good sense or in an opposite sense (*black way*) as well? If the heavenly world is mine, then is the hellish world not mine? Why was this said in the Murli? If He is a Father, then He is the owner, the master.

समयः 24.52-27.30

जिज्ञासुः- बाबा सर्प जब कैंचुल त्यागता है तो अंधा हो जाता हैं। संगमयुग में योगी आत्मा तो देहभान का छिलका निकल जायेगा फिर तो उसी टाईम में योगी आत्मा का हाल क्या होगा?

बाबा –अरे छिलका उतर गया फिर थोड़ ही अंधा होता है छिलका उतर गया तो आँखों के ऊपर का छिलका नहीं उतरेगा? जब सर्प के ऊपर का छिलका ही उतर गया तो आँखों के ऊपर जो छिलका होगा, सारे शरीर पर जो छिलका होगा। सारे शरीर का छिलका उतरेगा तो आँखों के ऊपर भी छिलका उतर जायेगा। फिर वो अंधा कहाँ रह जायेगा। पहले छिलका उतरने से पहले अंधा होता है मानो बहुत ही देहभान बढ़ जाता है। देहभान का छिलका इतना ज्यादा बढ़ जाता है जितना और किसी प्राणी में नहीं होता।

Time: 24.52-27.30
Student: Baba, when a snake sheds its skin, it becomes blind. When the skin of body consciousness of a yogi soul is shed in the Confluence Age, what will be the condition of that yogi soul at that time?
Baba: Arey, if the skin is removed it does not remain blind anymore. If the skin is shed, then will the skin on the eyes not be shed? When the peel (skin) over the snake is shed off , the skin on the eyes; the skin of the entire body…, if the skin of the entire body is shed off, then the skin of the eyes will also be shed off. Then how will it remain blind? It becomes blind before the skin sheds off meaning body consciousness increases a lot. The peel of body consciousness increases to such a great extent that it cannot be seen in any other animal [to that extent].

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु – बाबा संगमयुग में योगी आत्मा का देहभान का छिलका उतरेगा तो योगी आत्मा का हाल क्या होगा संगमयुग में?
बाबा – अभी शूटिंग हो रही है। शूटिंग में अपने दिल से पूछो कि हम भ्रष्टाचार की ओर जा रहे हैं या श्रेष्ठाचार की ओर जा रहे हैं? माया हमको कहाँ लिये जा रही है?
जिज्ञासु – भ्रष्टाचारी।
बाबा – इतना पुरूषार्थ करते हैं फिर भी वृत्ति नीचे जा रही है या ऊपर चढ़ रही है?
जिज्ञासु - ऊपर चढ़ रही है।
बाबा - ऊपर चढ़ रही है? नीचे जा रही है। इससे साबित होता है - देहभान का छिलका बढ़ रहा है। क्योंकि शूटिंग का पिरियड चल रहा है। हाँ, ये हो सकता है कोई में छिलका धीरे-धीरे चढ़ता है और कोई में छिलका बहुत तेज़ी से चढ़ता है। जैसे इब्राहिम आता है और इब्राहिम इस्लाम धर्म के नारायण में प्रवेश करता है तो इस्लाम धर्म की जो नारायण बनने वाली आत्मा है वो द्वापर के आदि में ही तमोप्रधान बन जाती है या धीरे-धीरे तमोप्रधान बनती है?
जिज्ञासु – धीरे-धीरे बनती है।
बाबा – धीरे-धीरे बनती है? आदि में ही तमोप्रधान बन जाती है। और सूर्यवंशी आत्मायें धीरे-धीरे तमोप्रधान बनती हैं। आखरी जन्म में जाकर के पूरी अंधी हो जाती हैं।
Student: Baba, when the peel of body consciousness of the yogi soul is shed off, what will be the condition of that yogi soul in the Confluence Age?
Baba: Now shooting is taking place. In this shooting, ask your heart, whether I am going towards unrighteousness or towards righteousness? Where is Maya taking me?
Student: Towards unrighteousness.
Baba: We make so much *purusharth*; even so, are the vibrations going down or are they rising?
Student: They are rising.
Baba: Are they rising? They are going down. It proves that the peel of body consciousness is increasing. It is because the shooting period is going on. Yes, it is possible that in some, the peel increases gradually and in some the peel increases quickly. For example, when Abraham comes and when Abraham enters the Narayan pertaining to Islam religion, then the soul which is to become the Narayan of Islam becomes *tamopradhan* in the beginning of the Copper Age itself or does it become degraded slowly?
Student: It becomes slowly.
Baba: Does it become slowly? It becomes *tamopradhan* in the beginning itself. And the *Suryavanshi* souls become *tamopradhan* slowly. They become completely blind in the last birth.

……………………………………………………………………………………………………

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info